

9082

इकरार नामा मुआयदा बय

मुआयदा बय

१००००१-रु०

ब्याना

५०००१-रु०

स्टाम्प

द। -

हमकि/मैंकि

दुर्जन व हेतराम पुत्रगण श्री हरि व राधे व हजारी पुत्रगण श्री हरि स्ति

निवासीगण मनोहरपुर डा० सव्वापुर तहसील व जिला मुरादाबाद

214

जो कि वाके ग्राम जेल रकवई जेल को बजरुरत खर्च खानगी की वजह से नीचे लिखी सम्पत्ति को मुबलिय

१००००१- दस हजार रु०

जिसके आधे मुबलिय

५०००१-पाँच हजार रु०

रुपये होते हैं जिसको बाहक श्री

जुनपाल बिन पुत्र श्री चतर सेन जे निवासी रसद-सी न्यू प्रेमपुरी

तहसील व जिला मेरठ ।

को वय करने का मुआयदा बय किया है जिसकी जरे समन तफसील जेल है और मैं/हम अर्सेपरमिशेष मिलने के दो माह के अन्दर मियाद बैनामा खरीदार के हक में करा देंगे। रजिस्ट्री का खर्च बजिस्मे खरीददार का होगा अगर खरीददार उपरोक्त समय के अनुसार बैनामा नहीं कराते हैं तो उनका किया हुआ जरे समन सोक्त समझा जायेगा। जिसकी वापसी के वह मुस्तईक नहीं होंगे। और जुमला हर्जा खर्चा खरीददार के ऊपर होगा अगर मैं मुकिर/हम मुकिरान बैनामा कराने से इनकार करते हैं तो खरीदार/खरीदारान को हक होगा कि वह बजरिये अदालत जवरन अपने हक में बैनामा करा लें और ऐसी सूरत में जुमला हर्जा-खर्चा मुकिर/मुकिरान वय वारिसान को जात व दीगर जायदाद से हर किस्म से वसूल करने के मुतईक होंगे। उपरोक्त शरायत के मैं/मुकिर/मुकिरान/खरीदार/खरीदारान के वारिसान ही उपरोक्त तहरीर शरायत के पाबन्द रहेंगे। इसमें कोई उज्ज नहीं होगा। लिहाजा यह इकरार नामा मुआयदाबय लिख दिया कि सनद हो और बजरुरत के काम आवे।

तफसील जायदाद जिसका मुआयदा बय किया गया वाके ग्राम मनोहरपुर तहसील व जिला मुरादाबाद

निष्का दुर्जन कि क हेतराम कि. क. राधे कि. क. हजारी

ह०-



-२-

वावत बाराजी काश्त भूमिधरी साता नम्बर ६८ अठसठ

जसरा नम्बर ७६४ सात सो चौरानवे मि० रकबई ०-३६

उनतालीस डि० लगानो सालाना रु० १० वाक्य ग्राम

मनोहरपुर तहसील व जिला मुरादाबाद जिसपर हमें मुक्तिरान

ह०-
मि. अ. दुर्गा

ह०-
मि. अ. हतारा

ह०-
मि. अ. शिखे

ह०-
मि. अ. हवेली



- 3 -

वहेसियत भूमिधरी के मालिकाना मालिक काविज व दखील

हे जो इस वक्त तक हर बार से पाक साफ जोर बरी हे ।

जिसपर कबजा व दखल वक़्त रजिस्ट्री बयनामा दिया जावेगा ।

ह०-

ह०-

ह०-

ह०-

दि. अ. दुर्जन

दि. अ. हतेराम

दि. अ. राधे

दि. अ. ह्वारी



-४-

और खर्चा परमीशन व बयनामा रजिस्ट्री आदि का

वजिम्मे खरीदार रहेगा और पेरोकारी वजिम्मे हम

ह०- ह०- ह०- ह०-
 नि.अ.कुर्मी नि.अ.हेरराज नि.अ.राधे नि.अ.द्वारि



-५-

मुक़िरान की रहेगी और बतौर बयाना मुक़ाला ५०००/- पांच

द्वार रुपयकेवल रजिस्ट्री मुक़ायदा बय खरीदार से वसूल पा लिये

ह०-

नि. अ. दुर्गा

ह०

नि. अ. हरेम

ह०-

नि. अ. राध

ह०-

नि. अ. एका



-६-

वक्रिया जरे सन मुर्वालिंग १०००१ - पांच हजार रु० वक्त रजिस्ट्री
 बयनामा खरीदार से वसूल पायेगे । लिहाजा यह इकरार नामा
 मुजायदा बय लिख दिया कि सनद हो और काम आवे इति ।

ह०-
 कि. अ. दुर्जन

ह०-
 कि. अ. हिराम

ह०-
 कि. राधे

ह०-
 कि. अ. हजारी

सा०-
 कि. अ. दुर्जन
 १० महीना
 २५ महीना १५ दिन
 व. वि. ला. मु. ला. १०

सा०-
 कि. अ. हिराम
 १० महीना
 २५ महीना १५ दिन
 व. वि. ला. मु. ला. १०

मुजायदा बय हाजा बमुकाम मुरादाबाद बता रोख ८-१२-१६८६ ई० को
 वइकरार मुकिरान वक्रिताबत श्री सुलतान अहमद कारिब फुरकान अहमद
 ने टाईप किया ।

सुलतान अहमद
 कारिब फुरकान
 अहमद
 सा०-
 सा०-
 सा०-

५६ २२ ५९

आचार्य श्री रामानुजम आचार्य श्री रामानुजम

कोको

2310 143
2315 9082
247/300
10.xii.1905

